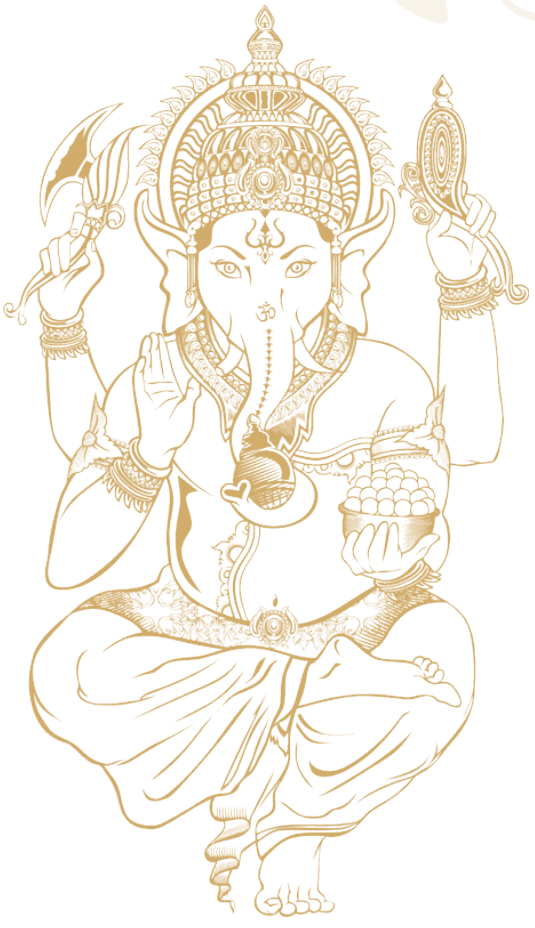

Nauya Palta

04 Oct 2003

11:35 PM

Ludhiana

Model: web-freekundliweb

Order No: 119045903

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**04/10/2003**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**23:35:00 घंटे**
इष्ट	43:03:20 घटी
स्थान	**Ludhiana**
राज्य	Punjab
देश	India

अक्षांश	30:56:00 उत्तर
रेखांश	75:52:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:26:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	23:08:28 घंटे
वेलान्तर	00:11:05 घंटे
साम्पातिक काल	00:00:32 घंटे
सूर्योदय	06:21:40 घंटे
सूर्यास्त	18:08:45 घंटे
दिनमान	11:47:05 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	17:11:43 कन्या
लग्न के अंश	19:37:02 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**श्रवण - 1**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	सुकर्मा
करण	गर
गण	देव
योनि	वानर
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	खी-खिली
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	19:37:02	313:07:27	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	मंगल	---
सूर्य			कन्या	17:11:43	00:59:05	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	शनि	सम राशि
चंद्र			मक	11:51:58	13:21:24	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	मंगल	सम राशि
मंगल			कुंभ	06:35:04	00:05:57	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	चंद्र	सम राशि
बुध			कन्या	02:16:19	01:36:57	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	उच्च राशि
गुरु			सिंह	14:11:16	00:11:55	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	मित्र राशि
शुक्र			कन्या	29:49:51	01:14:38	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	शनि	नीच राशि
शनि			मिथु	18:55:02	00:02:19	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	चंद्र	मित्र राशि
राहु	व		मेष	27:21:34	00:03:26	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	चंद्र	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	27:21:34	00:03:26	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	सम राशि
हर्ष	व		कुंभ	05:28:24	00:01:35	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	सूर्य	---
नेप	व		मक	16:35:07	00:00:35	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	शनि	---
प्लूटो			वृश्चि	23:41:29	00:01:10	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	मंगल	---
दशम भाव			मीन	06:14:14	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:54:21

लग्न-चलित

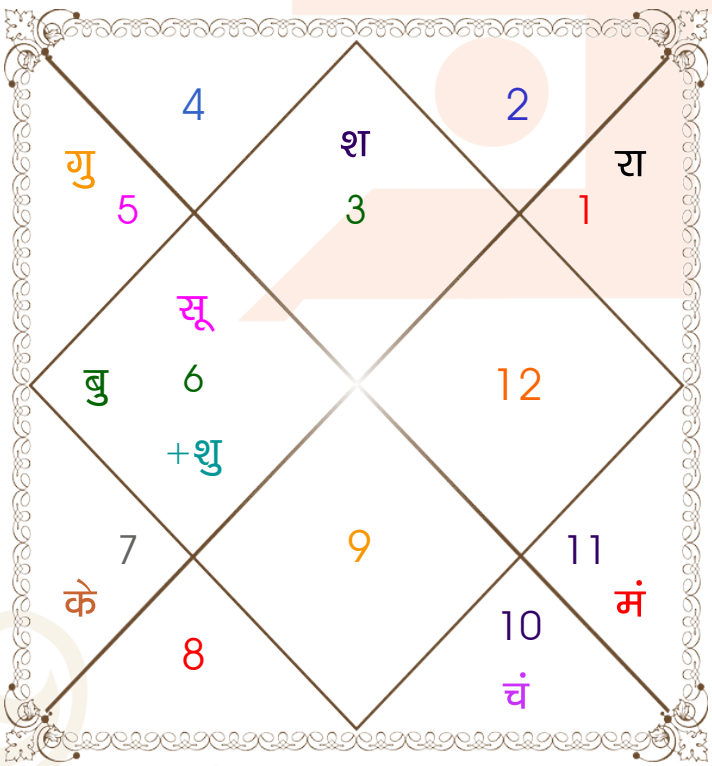

चन्द्र कुंडली

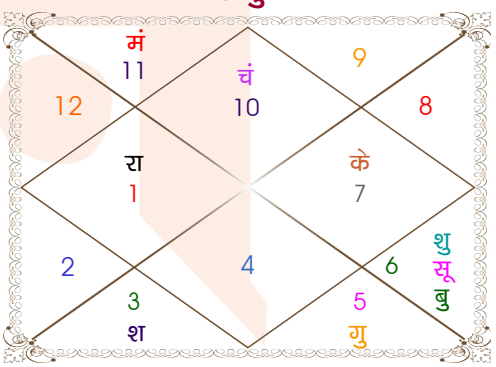

नवमांश कुंडली

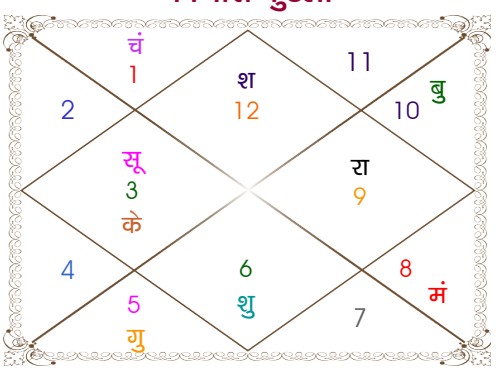

Leo AstroApt
Near Bcm School opposite Hi care Hospital Basant Avenue Dugri Ludhiana Punjab India
9041009000,7240001008,8010000138
deepakmishra131313@gmail.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 8 वर्ष 7 मास 6 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
04/10/2003		11/05/2012		12/05/2019		11/05/2037		11/05/2053	
11/05/2012		12/05/2019		11/05/2037		11/05/2053		11/05/2072	
	04/10/2003	मंगल	07/10/2012	राहु	22/01/2022	गुरु	29/06/2039	शनि	14/05/2056
मंगल	11/10/2003	राहु	25/10/2013	गुरु	16/06/2024	शनि	10/01/2042	बुध	22/01/2059
राहु	11/04/2005	गुरु	01/10/2014	शनि	23/04/2027	बुध	16/04/2044	केतु	02/03/2060
गुरु	11/08/2006	शनि	10/11/2015	बुध	10/11/2029	केतु	23/03/2045	शुक्र	02/05/2063
शनि	11/03/2008	बुध	06/11/2016	केतु	28/11/2030	शुक्र	22/11/2047	सूर्य	13/04/2064
बुध	10/08/2009	केतु	05/04/2017	शुक्र	28/11/2033	सूर्य	10/09/2048	चंद्र	13/11/2065
केतु	11/03/2010	शुक्र	05/06/2018	सूर्य	23/10/2034	चंद्र	10/01/2050	मंगल	23/12/2066
शुक्र	10/11/2011	सूर्य	11/10/2018	चंद्र	23/04/2036	मंगल	16/12/2050	राहु	29/10/2069
सूर्य	11/05/2012	चंद्र	12/05/2019	मंगल	11/05/2037	राहु	11/05/2053	गुरु	11/05/2072

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
11/05/2072		11/05/2089		11/05/2096		12/05/2116		12/05/2122	
11/05/2089		11/05/2096		12/05/2116		12/05/2122		00/00/0000	
बुध	07/10/2074	केतु	07/10/2089	शुक्र	10/09/2099	सूर्य	29/08/2116	चंद्र	13/03/2123
केतु	05/10/2075	शुक्र	07/12/2090	सूर्य	11/09/2100	चंद्र	28/02/2117	मंगल	05/10/2123
शुक्र	05/08/2078	सूर्य	14/04/2091	चंद्र	12/05/2102	मंगल	06/07/2117		00/00/0000
सूर्य	11/06/2079	चंद्र	13/11/2091	मंगल	12/07/2103	राहु	31/05/2118		00/00/0000
चंद्र	09/11/2080	मंगल	10/04/2092	राहु	12/07/2106	गुरु	19/03/2119		00/00/0000
मंगल	07/11/2081	राहु	29/04/2093	गुरु	12/03/2109	शनि	29/02/2120		00/00/0000
राहु	26/05/2084	गुरु	05/04/2094	शनि	12/05/2112	बुध	04/01/2121		00/00/0000
गुरु	01/09/2086	शनि	15/05/2095	बुध	13/03/2115	केतु	12/05/2121		00/00/0000
शनि	11/05/2089	बुध	11/05/2096	केतु	12/05/2116	शुक्र	12/05/2122		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 8 वर्ष 7 मा 10 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न के साथ-साथ मीन के नवमांश युक्त तुला द्रेष्काण में हुआ था। इसकी आकृति से यह स्पष्ट दिखाई देता है कि आप में असंख्य दुर्भावनाओं से युक्त विशेषताएं विद्यमान हैं। आप धार्मिक एवं तीर्थ स्थानों की पर्यटक होंगी। इन्हीं भावनाओं की सहायता से आपकी बहुरंजित अस्तित्व का अति विस्तार होगा। अन्य के सदृश आप में भी बहुत से सकारात्मक एवं नकारात्मक गुण विद्यमान हैं। जिसके फलस्वरूप आपको अपने जीवन के उद्धेश्य की प्राप्ति एवं सर्वविद्य संपन्नता प्राप्ति हेतु भगवान की कृपा बहुत दिनों तक सहायक होगी।

आप शारीरिक रूप से दीर्घकाय छरहरा बदन एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीति योनि के सदस्यों के प्रति प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। अर्थात् कामुक की श्रेणी में आपका नाम होगा। आप स्वभावतः वासनामय कार्यों के अगुआ के रूप में मशहूर होंगी। यह कार्य आपके लिए व्ययकारी प्रमाणित होगा। अतः आप इस प्रकार की विचारधारा के प्रति विमुख हो जाएं अन्यथा यह प्रवृति आपके स्वास्थ्य तथा पारिवारिक जीवन हेतु प्रभावशाली तथा अनुपयुक्त होगा।

आप निसंदेह कुशग्र बुद्धि की स्पष्ट रूपेण महत्वकांक्षी हैं। यदि कोई आपके कार्यों में बाधा उत्पन्न करता है, तो स्थायी रूपेण आप व्यक्तिगत तौर पर उसके पीछे पड़ कर उसे परेशानी करने की प्रवृत्ति को प्रतिकूल नहीं कर पाती। आप एक कार्य को बदल कर अन्य पेशा-व्यवसाय की ओर प्रवृत हो जाती हैं तथा आशापूर्वक कार्यारंभ कर देती हैं। परंतु यह प्रमाणित हो सकता है कि आपके विरोध में उत्पादन क्षमता प्राप्त कोई अन्य व्यक्ति लाभ प्राप्त नहीं कर सकता है। आपके लिए यह उत्तम सबक के संबंध में सावधानी पूर्वक विचार करना चाहिए तथा इसके बाद गंभीरता पूर्वक अध्ययन परिवर्तित नया कार्य व्यवसाय को कार्य रूप देना चाहिए। तत्पश्चात् आपको परिष्कृत संतोषजनक लाभांश प्राप्त करना चाहिए।

परंतु मिथुन राशि लग्न के प्रभाव से आप बिना विराम लिए ही अबाध गति से परिणाम प्राप्त करने की आंकांक्षी हैं। तत्पश्चात् आप किसी कार्य व्यवसाय को नियतकर, अपनी योजना का श्री गणेश (शुभारंभ) कर के अति व्यग्रता पूर्वक शीघ्र ही कार्य का उपयुक्त परिणाम प्राप्त करना चाहती हैं।

आप अच्छी तरह यह जानती हैं कि ऐसा संभव नहीं है तथापि आप शीघ्र ही धन का उपयोग करती हैं। परिणामस्वरूप आप अनेकों कार्यों को अर्द्ध मात्रा में करके अन्य योजना के प्रति आशान्वित होती हैं। परिणामस्वरूप आप अपेक्षित लाभ नही प्राप्त कर पाती हैं। इस प्रकार की धारण को बिना परिवर्तित किए अन्य कोई मार्ग नही है तथा आप बिना एकाग्रता के मनोवांछित कर्म/व्यवसाय किसी भी प्रकार से हस्तगत नहीं कर सकती हैं। आपके लिए यह मंत्र ग्रहण करना नितांत आवश्यक है कि आप अपनी उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। अन्यथा आपको व्यक्तिगत रूप से मूर्खता करने का परिणाम भुगतना होगा। आप धैर्यपूर्वक पीछे से पुनः अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग कर अपनी प्रभुता को कायम रखेंगी। इस प्रकार आपके शुभचिंतक एवं

मित्रगण आपको सहयोग देने अथवा उचित पुरस्कर प्रदान करने लगेगी।

आपकी आयुवृद्धि के अनुसार आपका स्वास्थ्य भी अनुकूल हो सकता है। आप, गले के संक्रमण, कफ, दमा गलगंड स्वरभंग रोगादि के प्रति उदासीन रहेंगी। अतः आप धुम्रपान की अपनी आदतों में बृद्धि न करें।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है। आपके लिए उपयुक्त अंक 5 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावक अंक है। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं, प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंग पीला, ब्लू बैंगनी एवं हरा रंग अनुकूल हैं। जबकि रंग काला एवं लाल रंग सर्वथा त्याजनीय हैं।